अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान वर्ष : 2019 **दिनांक : 17-8-2019**

समय : 3 घंटा **चतुर्थ वर्ष - प्रथम-प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

लघु दण्डक–30

प्र. 1 कोई चार द्वार लिखें– 24

(क) तिर्यंच की स्थिति।

(ख) मनुष्य की अवगाहना।

(ग) दृष्टि द्वार व दर्शन द्वार।

(घ) च्यवन द्वार व अज्ञान द्वार।

(ङ) गति आगति द्वार–नौंवे देवलोक से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

प्र. 2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) समुद्घात द्वार–सात नारकी से प्रारंभ करें।

(ख) ज्ञान द्वार–सात नारकी से प्रारंभ करें।

(ग) छब्बीसवां योग द्वार।

(घ) वेद द्वार–सात नारकी से प्रारंभ करें।

पांच-ज्ञान–30

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 24

(क) अवधिज्ञान के द्वारा देखने की शक्ति का यंत्र (बनाकर) लिखें।

(ख) वर्धमान व अप्रतिपाती अवधिज्ञान का विस्तार से वर्णन करें।

(ग) संज्ञी श्रुत व असंज्ञी श्रुत के प्रकारों का वर्णन करें।

(घ) परोक्ष ज्ञान–अवग्रह के दो प्रकार से प्रारंभ करते हुए प्रतिबोधक दृष्टांत तक लिखें।

(ङ) सम्पूर्ण आकाश के अनंत प्रदेश से प्रारंभ करते हुए अनंग प्रविष्ट श्रुत तक वर्णन करें।

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें– 6

(क) सम्यक् श्रुत किसे कहते हैं?

(ख) क्षायोपशमिक अवधिज्ञान किसके होते है?

(ग) आनुगमिक का अर्थ एक शब्द में बताऐं।

(घ) गव्यूत का क्या अर्थ है?

(ङ) नौ निकाय शब्द किनके लिए प्रयुक्त होता है?

(च) मनःपर्यव ज्ञान ऋद्धि प्राप्त के होता है, इसका क्या तात्पर्य है?

(छ) अवीतराग पुरूषों द्वारा रचित श्रुत का नाम लिखें।

(ज) व्यंजनावग्रह किसे कहते हैं?

गुणस्थान–दिग्दर्शन गीतिका–10

प्र. 5 कोई दो पद्य भावार्थ सहित लिखें– 8

(क) मोह नो.....तामो रे।

(ख) मोह तणी.....मझारो रे।

(ग) उपशम.....दबावै रे।

(घ) मोह कर्म.....नांही रे।

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 2

(क) सर्व मोह कर्म का उपशम निष्पन्न भाव किन गुणस्थानों में होता है?

(ख) चौदहवें गुणस्थान में किन कर्मों की सत्ता मौजूद रहती है।

(ग) मोह कर्म का क्षय निष्पन्न भाव किन गुणस्थानों में पाता है तथा अघात्य कर्मों का क्षय निष्पन्न भाव कहां पाया जाता है?

(घ) नवमें गुणस्थान वाला जीव किस प्रकार कषाय व वेद को क्षीण करता है?

पूर्व-कंठस्थ-ज्ञान–30

प्र. 7 सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं–

(क) पच्चीस बोल–बीसवां बोल–आकाशास्तिकाय के विषय में लिखें– 3

अथवा अंक 13 का भांगा लिखें।

(ख) पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–उन्नीसवां **अथवा** आश्रव का बोल। 3

(ग) पच्चीस बोल की चर्चा–बारह से सतरह दण्डक **अथवा** सात से बारह गुणस्थान। 3

(घ) तत्त्व-चर्चा–कर्म पर छह द्रव्य नौ तत्त्व **अथवा** पुण्य धर्म आदि एक या दो? 3

(ङ) जैन तत्त्व प्रवेश–रूपी-अरूपी द्वार **अथवा** आत्म द्वार। 3

(च) कर्म प्रकृति–चारित्र मोह की प्रकृतियों की स्थिति **अथवा** दर्शन मोह की प्रकृतियों का कार्य एवं स्थिति लिखें। 4

(छ) बावन बोल–जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा? **अथवा** चौदह गुणस्थानों में आश्रव और संवर के बोल कितने-कितने पाते हैं? 4

(ज) इक्कीस द्वार–अचरम **अथवा** अनाहारक कोई एक बोल लिखें। 4

(झ) जैन तत्त्व प्रवेश–आश्रव गुण द्वार **अथवा** प्रमाण द्वार-नय किसे कहते हैं, से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें। 3